निवेशकों की जैसी जरूरत वैसी मदद करेगी सरकार

सीएम ने मुंबई में वर्ल्ड हिन्दू इकोनॉमिक फोरम कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 19 दिसंबर. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश का औद्योगिक परिदृश्य तेजी से बदल रहा है. मध्यप्रदेश में निवेश और सरलता से व्यापार-व्यवसाय बढ़ाने के लिए हमारी सरकार निवेशकों की हर संभव मदद करने को तत्पर है.

उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में निवेश करने के इच्छुक हर निवेशक के लिए हमारी सरकार हर घड़ी उनके साथ खड़ी है. निवेशकों की जरूरतों से हम वाकिफ हैं, इसीलिए जैसी जरूरत, हमारी सरकार निवेशकों की वैसी मदद करेगी. हम सब मिल जुलकर मेक इन इंडिया और विकसित भारत के संकल्प को साकार करेंगे. देश को वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनायेंगे.

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को मुंबई में आयोजित वर्ल्ड हिंदू इकोनॉमिक फोरम कॉन्फ्रेंस-2025 को संबोधित कर रहे थे. इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्वालियर में 25 दिसंबर को भारतरत्न से सम्मानित पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के जन्मशताब्दी वर्ष के समापन के अवसर पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह प्रदेश में 2.5 लाख करोड़ रूपये लागत के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन करेंगे. मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी को अभ्युदय मध्यप्रदेश ग्रोथ समिट में शामिल होने के लिए ग्वालियर आमंत्रित करते हुए कहा कि यह आयोजन उद्योग एवं रोजगार वर्ष के सफल समापन का साक्षी बनेगा.

कागजों तक सीमित नहीं रखा ईज ऑफ डूइंग बिजनेस

डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश भारत के सबसे तेजी से विकसित होते राज्यों में से एक है. हमने ईज ऑफ डूइंग को केवल कागजों तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे धरातल पर उतारते हुए उसे स्पीड स्केल और स्किल ऑफ डूइंग में परिवर्तित कर दिया. उन्होंने कहा कि हमने 18 नई औद्योगिक पॉलिसी लॉन्च कीं, जो प्रदेश की ग्रोथ के लिए गेम चेंजर सिद्ध हो रही हैं. धार जिले में देश के पहले और सबसे ब? पीएम टेक्सटाइल पार्क का भूमि-पूजन किया गया है। यह पार्क फार्म-टू-फाइबर-टू-फैक्ट्री-टू-फैशन-टू-फॉरेन के विजन को साकार करेगा.

घने कोहरे का कहर जारी

01 किलोमीटर से भी कम रह गई कई स्थानों पर दृश्यता

भोपाल, 19 दिसंबर. मध्यप्रदेश में कड़ाके की सर्दी और घने कोहरे का असर लगातार बना हुआ है. प्रदेश के मालवा-निमाड़ अंचल में ठंड सबसे अधिक पड़ रही है, जहां कई शहरों में न्यूनतम तापमान 5 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया है.

इंदौर और उज्जैन संभाग के अनेक इलाकों में रात और सुबह के समय कंपकंपी छुड़ाने वाली ठंड महसूस की जा रही है. वहीं प्रदेश के उत्तरी हिस्सों ग्वालियर-चंबल, रीवा और सागर संभाग में घना कोहरा लोगों की परेशानियों का कारण बन रहा है.

घने कोहरे के कारण दृश्यता कई स्थानों पर एक किलोमीटर से भी कम रह गई है. शुक्रवार सुबह प्रदेश के 13 जिलों में कोहरे का व्यापक असर देखने को मिला, जिससे सड़क और रेल यातायात प्रभावित हुआ. सुबह के समय वाहनों की रफ्तार धीमी रही और लोगों को आवागमन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ा. पिछले 24 घंटों के दौरान प्रदेश के सभी संभागों में मौसम मुख्यत: शुष्क बना रहा. इस दौरान शाजापुर और शिवपुरी जिलों में शीत लहर का प्रभाव दर्ज किया गया, जबकि इंदौर जिले में तीव्र शीत लहर की स्थिति बनी रही. अधिकतम तापमानों में सभी संभागों में विशेष परिवर्तन नहीं हुआ. नर्मदापुरम और चंबल संभागों में अधिकतम तापमान सामान्य से 1.6 डिग्री सेल्सियस तक अधिक रहा.

न्यूनतम तापमान की बात करें तो रीवा संभाग में इसमें 2.2 डिग्री सेल्सियस तक की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि भोपाल संभाग में तापमान सामान्य से 3.3 डिग्री तक कम रहा. इंदौर और उज्जैन संभागों में न्यूनतम तापमान सामान्य से 3.0 से 2.2 डिग्री तक कम दर्ज किया गया. शहडोल और रीवा संभागों में न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक रहा. मौसम विभाग के अनुसार जम्मू एवं आसपास के क्षेत्रों में 3.1 किमी ऊंचाई पर एक पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय है, जबकि दक्षिण-पश्चिम ईरान क्षेत्र में 5.8 किमी ऊंचाई पर एक अन्य पश्चिमी विक्षोभ मौजूद है.

स्वयं को मिले दान से भगवान मंगलनाथ बनवा रहे अपना शिखर

- मंदिर की राशि से प्रारम्भ हुआ निर्माण कार्य
- 8 करोड़ से विकास प्राधिकरण ने प्रथम चरण किया शुरू
- 4 साल में 23 करोड़ का आया चढ़ावा

प्रमोद व्यास

उज्जैन. भगवान मंगलनाथ का शिखर श्रद्धालुओं की आस्था से फिर निखर रहा है. भक्तों द्वारा वर्षों से अर्पित दान और चढ़ावे की राशि आज अपने ही मंदिर के निर्माण में उपयोग हो रही है. मानो भगवान स्वयं अपने भक्तों की भक्ति से प्राप्त अर्पण को आशीर्वाद रूप में लौटा रहे हों, अपने तीर्थ, अपने धाम और अपने शिखर को और भव्य बनाने के लिए उक्त दान राशि का उपयोग हो रहा है. यह निर्माण केवल पत्थरों का नहीं, बल्कि श्रद्धा, आस्था और विश्वास का प्रतिरूप बन रहा है, जहाँ दान की हर राशि ईंट की तरह जुड़कर धार्मिक वैभव का नया स्वर्णिम अध्याय लिख रही है.

सिंहस्थ 2028 को देखते हुए शहर के प्रमुख देवालयों में जीर्णोद्धार और नवनिर्माण कार्य तेजी से शुरू हो गए हैं. महाकाल मंदिर में प्रतिदिन आने वाले लाखों श्रद्धालु मंगलनाथ और अन्य मंदिरों में भी पहुंचते हैं. इसी को ध्यान में रखते हुए मंगलनाथ मंदिर का कायाकल्प किया जा रहा है. उज्जैन विकास प्राधिकरण ने शिखर और फ्लोरिंग का कार्य शुरू कर दिया है.

22 करोड़ रुपए की आई दान राशि- खास बात यह है कि यह निर्माण कार्य सिंहस्थ मद से नहीं किया जा रहा, बल्कि मंगलनाथ मंदिर की अपनी आय से किया जा रहा है. पिछले चार वर्षों में मंदिर को लगभग 22 करोड़ रुपये की आय हुई है, जिसे बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है.

दूसरे चरण में बड़ा प्रोजेक्ट

दूसरे चरण में मंदिर का बड़ा प्रोजेक्ट तैयार किया जाएगा. उसके लिए ड्राइंग और डिजाइन बनाई जा रही है. पूरा प्रोजेक्ट बनने के बाद मंदिर का स्वरूप और भव्य होगा. मन्दिर के कायाकल्प का उद्देश्य केवल सौंदर्यीकरण नहीं है, बल्कि देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध कराना है. सिंहस्थ के दौरान लाखों श्रद्धालुओं को दर्शन सुविधा, भीड़ प्रबंधन और मार्ग व्यवस्था का लाभ मिलेगा.

इनका कहना है... कंकड़ कंकड़ शंकर : भगवान मंगलनाथ मंदिर में भी वे श्रद्धालु आ रहे हैं जो महाकाल मंदिर दर्शन करने के लिए आते हैं साथ ही सभी देवालय शिवालय जाते हैं. यह उज्जैन के लिए गौरव की बात है कि यहां के कंकड़ कंकड़ को शंकर कहा जाता है. यही कारण है कि धार्मिक आस्था से शहर लगातार सराबोर हो रहा है. महाकुंभ 2028 के मद्देनजर भी जो योजनाएं बन रही है उसका लाभ श्रद्धालुओं को लगातार मिलेगा. मंगलनाथ मंदिर पर शिखर फ्लोरिंग और अन्य कार्य प्रारंभ कर दिए गए हैं.

- रोशन सिंह, कलेक्टर, उज्जैन

19 कलेक्टरों की सराहना

मंगलनाथ मंदिर के प्रशासक केके पाठक इस परियोजना की निगरानी कर रहे हैं. उनके कार्यकाल और अनुभव को देखते हुए 19 कलेक्टर्स ने उनकी कार्यशैली की सराहना भी की है. प्रशासक के प्रयासों से ही मंदिर की आय लगातार बढ़ रही है.

धार्मिक वैभव और आधुनिकता

लाल पत्थरों से सजे शिखर और डोम मंदिर को दूर से ही विशेष पहचान देंगे. इससे प्राचीन धार्मिक वैभव के साथ आधुनिकता का मेल दिखाई देगा. मंगलनाथ मंदिर के रूप में उज्जैन के धार्मिक स्वरूप को और समृद्ध करने की दिशा में यह कदम महत्वपूर्ण माना जा रहा है.

कोर्ट के आदेश के बाद काउंसलिंग शुरू

19 से 30 दिसंबर तक चलेगी

मध्यप्रदेश नर्सिंग ने की पीजी काउंसलिंग प्रक्रिया शुरू

विशेष संवाददाता

भोपाल, 19 दिसंबर. उच्च न्यायालय के हस्तक्षेप के बाद प्रदेश नर्सिंग काउंसिल ने पोस्टग्रेजुएट नर्सिंग पाठ्यक्रमों पोस्ट बीएससी नर्सिंग एवं एमएससी नर्सिंग की काउंसलिंग प्रक्रिया शुरू कर दी है.

यह काउंसलिंग 19 दिसंबर से 30 दिसंबर तक आयोजित की जाएगी, जिससे प्रदेश के हजारों नर्सिंग विद्यार्थियों को बड़ी राहत मिली है.

यह निर्णय एनएसयूआई के प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार द्वारा दायर याचिका के बाद लिया गया है, जिसमें नर्सिंग शिक्षा में लंबे समय से चली आ रही अनियमितताओं और प्रशासनिक लापरवाहियों को उजागर किया गया था. रवि परमार ने कहा कि नर्सिंग घोटाले के बाद से मध्य प्रदेश में नर्सिंग शिक्षा का स्तर लगातार गिरा है और पिछले तीन वर्षों से लगभग 75 प्रतिशत सीटें खाली पड़ी हैं.

उन्होंने चेतावनी दी कि यह स्थिति प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं के भविष्य के लिए गंभीर संकट पैदा कर सकती है. जारी कार्यक्रम के अनुसार 19 से 22 दिसंबर तक पंजीयन किया जाएगा. 23 दिसंबर को रिक्त सीटों की जानकारी और मेरिट सूची जारी होगी. 24 और 25 दिसंबर को चॉइस फिलिंग होगी, 27 दिसंबर को प्रोविजनल अलॉटमेंट जारी किया जाएगा, जबकि 28 से 30 दिसंबर के बीच दस्तावेज सत्यापन और कॉलेजों में रिपोर्टिंग की प्रक्रिया पूरी की जाएगी.

विधायक पुत्र व बस कंडक्टर का विवाद, जनता की फजीहत

जितेन्द्र पुरोहित

देवास. बागली के विधायक पुत्र के साथ बस कंडक्टर से हुआ विवाद वीडियो वायरल होने के बाद जन चर्चा का विषय बन गया है. इन सब में जनता की फजीहत हो गई.

बागली विधायक मुरली भंवरा के पुत्र उत्तम भंवरा का बस में हुए विवाद का मामला सोशल मीडिया पर वायरल हुआ. वायरल वीडियो के पश्चात कांग्रेस जिला ग्रामीण के अध्यक्ष मनीष चौधरी ने कहा कि मुझे भी सोशल मीडिया से जानकारी मिली है. अगर इस तरह की कोई घटना हुई है तो गलत है और गाड़ी को अगर पकड़ा है तो सवारियों के लिए वैकल्पिक की जाना चाहिए. सूत्रों की माने तो इंदौर से रतनपुर चलने वाली पराग बस में विधायक पुत्र अपने साथियों के साथ इंदौर से बागली आ रहे थे उसी दौरान किसी बात पर विधायक पुत्र का बस कंडेक्टर से विवाद हो गया. विवाद की सूचना जब विधायक को मिली तो उन्होंने थाना बागली को सूचना देकर बस को बागली थाने पर खड़ी करवा ली. जिससे बस में सवार यात्रियों को परेशान होना पड़ा हालांकि कहा जा रहा है कि बाद में एक अन्य बस की व्यवस्था की गई. लेकिन जब मामले ने तूल पकड़ा तो आनन फानन में बस मालिक राकेश साहू का एक वीडियो बनाकर वायरल करवाया गया जिसमें बस मालिक बोल रहा है कि मेरी गाड़ी के कागज पूरे नहीं होने से बस को थाने पर खड़ा किया गया है. मेरा विधायक भंवरा एवं उनके पुत्र से कोई विवाद नहीं है. इस मामले में फिलहाल पुलिस की ओर से कोई बयान जारी नहीं किया गया है. लेकिन अगर कोई घटना नहीं हुई और केवल चालानी कार्यवाई के दौरान बस पकड़ी गई है तो केवल एक ही बस पर क्यों कार्यवाई की गई, यह भी जन चर्चा का विषय है.

विधायक पुत्र

बस मालिक

इनका कहना है.....

लगातार सड़कों पर हो रही दुर्घटनाओं के चलते पूर्व से ही बागली थाने पर क्षेत्र में संचालित बसों के दस्तावेज जांच करने के लिए कहा था. मेरे पुत्र का कोई विवाद नही हुआ है.

- मुरली भंवरा, विधायक बागली

बागली और हाटपिपल्या विधायक के नाम से उनके कार्यकर्ता और मिलने जुलने वाले निजी बस संचालको से हमेशा किराए के लिए विवाद करते हैं. यह सत्ता का मद है जो अधिक दिन नहीं चलेगा. इसी प्रकार पूर्व में एक विधायक का थप्पड़ कांड उनके राजनीति करियर को ले डूबा था.

- सज्जन सिंह वर्मा, पूर्व मंत्री

वीआईटी भोपाल विश्वविद्यालय ने किया कॉलेज चलो अभियान का आयोजन

- शासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों को किया जागरूक

सीहोर. उच्च शिक्षा विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप वीआईटी भोपाल विश्वविद्यालय द्वारा शासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए कॉलेज चलो अभियान का सफल आयोजन किया गया. इस अभियान का उद्देश्य विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के विभिन्न अवसरों के प्रति जागरूक करना था.

यह कार्यक्रम विशेष रूप से कक्षा 12 के विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों एवं शिक्षकों के लिए आयोजित किया गया, जिसमें उच्च शिक्षा से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर संरचित एवं व्यवहारिक जानकारी प्रदान की गई. कार्यक्रम के दौरान शैक्षणिक सत्र 2026-27 की प्रवेश प्रक्रिया, विभिन्न विषयों में उपलब्ध करियर विकल्पों, छात्रवृत्ति अवसरों तथा संस्थागत सुविधाओं एवं सहायता प्रणालियों पर विस्तृत जानकारी साझा की गई. कार्यक्रम में आयोजित संवादात्मक सत्रों एवं मार्गदर्शित चर्चाओं के माध्यम से महाविद्यालय प्रवेश एवं करियर योजना से संबंधित सामान्य जानकारियों की कमी को दूर किया गया, जिससे विद्यार्थियों को अपने शैक्षणिक निर्णय आत्मविश्वास के साथ लेने में सहायता मिली. विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों एवं प्रतिनिधियों ने प्रतिभागियों से सीधे संवाद किया और उच्च शिक्षा से जुड़े प्रश्नों का समाधान प्रस्तुत किया. वीआईटी भोपाल विश्वविद्यालय में आयोजित कॉलेज चलो अभियान ने विविध पृष्ठभूमि से आने वाले विद्यार्थियों को समयोचित मार्गदर्शन एवं जागरूकता प्रदान करते हुए उच्च शिक्षा तक पहुंच बढ़ाने की विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को पुनः सुदृढ़ किया. यह कार्यक्रम स्वीकृत ढांचे के अंतर्गत सफलतापूर्वक संपन्न हुआ, जिसमें आयोजन टीम के समन्वित प्रयासों की महत्वपूर्ण भूमिका रही. यह पहल विद्यार्थियों को उनके शैक्षणिक जीवन के अगले चरण के लिए ज्ञान, दिशा एवं अवसर प्रदान करने की दिशा में एक सार्थक कदम सिद्ध हुई.

नर्मदा में ना मिले गांवों का गंदा पानी

- पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने पत्रकार वार्ता के दौरान कहा

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 19 दिसंबर. प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल ने साफ किया है कि गांवों का गंदा पानी नर्मदा जी में नहीं मिले, इस काम को करने के लिये हम दो वर्ष का समय लेंगे. एक वर्ष में नहीं कर पाएंगे.

यह बात उन्होंने शुक्रवार को दो वर्ष की उपलब्धियों का ब्यौरा देते हुए पत्रकार वार्ता के दौरान कही. उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि वे कोई ऐसा वादा नहीं करना चाहते, जिसकी पूरी प्लानिंग नहीं हो. दरअसल गुरुवार को ही नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा था कि एक वर्ष के अंदर नर्मदाजी में पंचायत और शहरी क्षेत्रों का गंदा जल नहीं मिलेगा. इसके लिये इंटर कोआर्डिनेशन कमेटी की बैठक हो चुकी है. इस दौरान पटेल ने विभागीय उपलब्धियों की जानकारी देते हुए बताया कि विभाग को केवल संस्थागत विकास के लिये ही 2500 करोड़ रुपये मिले हैं, जो कि अब तक कभी नहीं मिले थे. वहीं उन्होंने बताया कि अब जिला और जनपद के जो भी भवन बनेंगे, वे तीन मंजिला तक बन सकेंगे. विभाग में पौधरोपण की जो व्यवस्था बनाई गई, उसमें ज्यादातर पौधे अब विकसित हो रहे हैं, ये इसलिये कि हमने पहले ही पौध रोपण के लिये शर्त रख दी थी कि जहां पानी देने और फेंसिंग की व्यवस्था नहीं होगी, वहां पौधरोपण करने का कोई औचित्य नहीं रहेगा, इसलिये हमने बजट में फेंसिंग का भी प्रावधान किया. उन्होंने कहा कि पंचायत विभाग के तहत बनने वाले नये भवन के लिये दो एकड़ जमीन की अनिवार्यता की गई है.

इसमें से डेढ़ एकड़ में वनीकरण करना होगा, बाकी आधा एकड़ में ही भवन का निर्माण हो सकेगा. दिसंबर 2026 तक सभी पंचायतों में सड़क और फेंसिंग के साथ श्मशान भूमि होगी

मंत्री पटेल ने बताया कि प्रदेश के कई पंचायत क्षेत्रों में श्मशान भूमि नहीं है, जिसे लेकर विवाद की स्थिति बनती है. इस स्थिति को देखते हुए हम ये सुनिश्चित कर रहे हैं कि दिसंबर 2026 तक प्रदेश में कोई भी पंचायत ऐसी नहीं होगी, जिसमें श्मशान भूमि नहीं हो. यहां तक बारहमास आवागमन की सुविधा रहेगी, यहां तक पहुंचने के लिये सड़क के साथ ही फेंसिंग की भी व्यवस्था की जाएगी. उन्होंने कहा कि उन्होंने एक वर्ष का समय इसलिये लिया है,

म.प्र. पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम
कार्यालय परियोजना यंत्री, इंदौर संभाग क्रंमाक-02, इंदौर
जी-13, प्रथम 'तल' एम.आई.जी. कॉलोनी, एम.आई.जी. थाने के पीछे, इंदौर (म.प्र.), मो. नं.-9425601512
Email-Id : mpphidclindore2@gmail.com
निविदा आमंत्रण सूचना - 37/2025-26
म.प्र.पु.आ. एवं अधो.वि.नि., इंदौर संभाग क्र.-02, इंदौर द्वारा 12+48 (सामान्य) आवासगृह गणपतिनाका, बुरहानपुर के निर्माण कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 14.01.2026 तक खरीदे जा सकते हैं, जिसकी विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण https://mptenders.gov.in पर देखे जा सकते हैं।
म.प्र. माध्यम/123580/2025 परियोजना यंत्री

विद्यया ऽ मृतमश्नुते
एन सी ई आर टी NCERT
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
श्री अरविन्द मार्ग, नई दिल्ली - 110016
एन.सी.ई.आर.टी. डॉक्टरल अध्येतावृत्ति- 2025
शिक्षा और शिक्षा से प्रत्यक्ष संबंध रखने वाले क्षेत्रों में एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा डॉक्टरल अध्येतावृत्तियाँ प्रदान करने के लिए आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं । पात्रता, प्रकिया आदि के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए कृपया एन.सी.ई.आर.टी. वेबसाइट www.ncert.nic.in देखें । अंतिम तिथि: समाचार पत्र के प्रकाशन की तिथि से 30 दिन है । नोट: दस में से चार अध्येतावृत्तियाँ एन.सी.ई.आर.टी. के चार क्षेत्रीय शिक्षा संस्थानों (अजमेर, भोपाल, भुवनेश्वर एवं मैसूर) में अध्ययनरत शोधार्थियों (यदि उपयुक्त पाए गए) के लिए आरक्षित है ।
cbc 21104/12/0010/2526

चेतन्य काश्यप फाउण्डेशन | क्रीड़ा - भारती
खेल चेतना मेला
26वीं रतलाम अन्तरविद्यालयीन खेलकूद प्रतिस्पर्धा
विभिन्न वर्षों में आयोजित
16 नगर | 61000 खिलाड़ी | 6500 पुरस्कार | 1100 विद्यालय | 16 खेल
रतलाम सैलाना, आलोट, नामली | मंदसौर शामगढ़, सुवासरा, सीतामऊ, नारायणगढ़, दलौदा, भानपुरा, गरोठ | नीमच जावद, मनासा, जीरन
शुभारंभ समारोह रतलाम
20 दिसम्बर 2025, शनिवार
प्रात: 10:30 बजे
नेहरू स्टेडियम, रतलाम
— अध्यक्षता —

श्री चेतन्य काश्यप
MSME मंत्री (म.प्र.शासन)
राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष-क्रीड़ा भारती
फाउण्डेशन अध्यक्ष
— मुख्य अतिथि —

सुश्री निर्मला भूरिया
मंत्री-महिला एवं बाल विकास विभाग, म.प्र.शासन
— विशेष अतिथि —

श्री प्रदीप उपाध्याय
भाजपा जिलाध्यक्ष

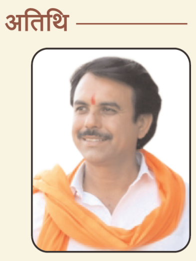

श्री प्रहलाद पटेल
महापौर-रतलाम

सम्मानित होंगे
श्री अब्दुल कादिर
स्वर्ण पदक विजेता
एशियन यूथ पैरा गेम्स-2025
खेल जागृति के विराट् उत्सव में आप सादर आमंत्रित हैं
चेतन्य काश्यप फाउण्डेशन, रतलाम

स्वत्वाधिकारी रामगोपाल इन्वेस्टमेंट प्रा. लि. हेतु लेसी एंगेज मीडिया प्रा.लि. के लिए आशुतोष उपाध्याय द्वारा 6/54, फिरोज गांधी प्रेस काम्प्लेक्स, इंदौर से प्रकाशित एवं नवभारत प्रेस भोपाल प्रा.लि. , फिरोज गांधी प्रेस कॉम्प्लेक्स इंदौर से मुद्रित. समूह संपादक क्रांति चतुर्वेदी*, *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार, फोन/फैक्स- 4096718 RNI Reg. No.7590/60